सभ्यता का संकट

अभ्यास के लिए पाठ केन्द्रित प्रश्नोत्तर

१ सभ्यता का संकट निबंध कब पढ़ा गया?

उत्तर. सभ्यता का संकट निबंध १४ मई १९४१ ई को शांति निकेतन में पढ़ा गया। यह रवीन्द्रनाथ ठाकुर का अंतिम संदेश था।

२ रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने दरबानी किसे कहा है?

उत्तर. रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने अंग्रेजों द्वारा भारत में लागू किए गए विधि और व्यवस्था को दरबानी कहा है।

३. रवीन्द्रनाथ के अनुसार आधुनिक शासन व्यवस्था होते हुए भी भारत में क्या कमी थी?

उत्तर. अंग्रेजों की आधुनिक शासन व्यवस्था होते हुए भी भारत में शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, भोजन और कपड़ा की कमी थी, जिससे रवीन्द्रनाथ आहत थे।

४. रवीन्द्रनाथ किसके ऋणी हैं और क्यों?

उत्तर. रवीन्द्रनाथ ठाकुर एंड्रयूज के ऋणी हैं। वे अपने यौवन में अंग्रेजों को श्रद्धा की दृष्टि से देखते हैं। जीवन के अंतिम प्रहर में अंग्रेजों के प्रति उनकी धारणा बदल जाती है। यद्यपि वे एंड्रयूज के कारण सभी अंग्रेजों से नफरत नहीं कर पाते हैं।

५. एंड्रयूज के संबंध में रवींद्रनाथ की क्या राय थी?

उत्तर. रवींद्रनाथ की दृष्टि में एंड्रयूज ' यथार्थ अंग्रेज, यथार्थ ईसाई और यथार्थ मानव ' थे।

६. बाह्य आचार के विरुद्ध शिक्षितों के विरोध का कारण क्या था?

उत्तर. अंग्रेजी शिक्षा का भारतीयों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। ऐसे शिक्षित लोग ही बाह्य आचार के विरोध में आवाज उठाते हैं।

७. ' सदाचार किसे कहा गया है?

उत्तर. सभ्यता का जो रुप हमारे देश में प्रचलित था उसे मनु ने सदाचार कहा। उन्होंने इस देश की परम्परा, आचार प्रणाली को सदाचार कहा।

८. लेखक को मानवीय मैत्री का शुद्ध रुप किनमें दिखाई देता है?

उत्तर. लेखक को मानवीय मैत्री का शुद्ध रुप अंग्रेजों में दिखाई देता है।

९. लेखक के अनुसार ' परित्राता' क्या संदेश देगा?

उत्तर. परित्राता मानव को मनुष्यता का संदेश देगा।

१०. इंग्लैंड के लोग किस राष्ट्र के लिए आत्म बलिदान करते हैं?

उत्तर. इंग्लैंड के लोग स्पेन के लिए आत्म बलिदान करते हैं।

११. 'सभ्यता का संकट' निबंध लिखते समय लेखक की उम्र क्या थी?

उत्तर. सभ्यता का संकट निबंध लिखते समय रवीन्द्रनाथ ठाकुर की उम्र अस्सी वर्ष थी।